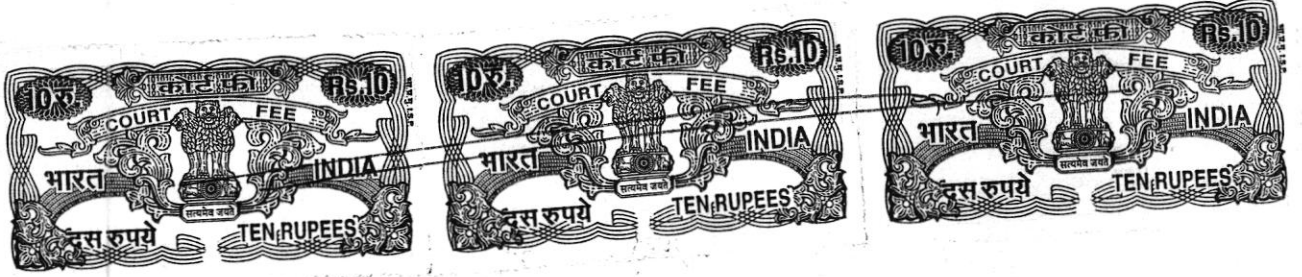


III/पुनर्वि०/2018/रीवा/01874

65

न्यायालय श्रीमान् सदस्य महोदय, म०प्र० राजस्व मण्डल
सर्किट कोर्ट, रीवा (म०प्र०)



- 1- शंभू प्रसाद शुक्ला तनय जमुना प्रसाद शुक्ला
- 2- अजय कुमार शुक्ला
- 3- पुनीत कुमार शुक्ला
- 4- सुद्यांशु शुक्ला

तीनों के पिता शंभू प्रसाद शुक्ला

सभी निवासी ग्राम नई खुटेही ढेकहा, तह०-हुजूर, जिला रीवा
(म०प्र०)

पुनर्विलोकनकर्ता

बनाम्

रवीन्द्र प्रसाद शुक्ला तनय बैजनाथ प्रसाद शुक्ला, साकिन नई
खुटेही, ढेकहा, तहसील हुजूर, जिला रीवा (म०प्र०)

गैरपुनर्विलोकनकर्ता

पुनर्विलोकन बावत् निगरानी प्रकरण
क्र०-5242-II/2016 आदेश दिनांक
07/03/2018

अंतर्गत धारा 51 सहपठित धारा 32
म०प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 ई०

अध्या० श्री राजीव मिश्रा
दाला वेवा 20-3-18

M

कलक ऑफ कोर्ट
राजस्व मण्डल म० प्र० सर्किट कोर्ट
(सर्किट कोर्ट) रीवा

मान्यवर,

पुनर्विलोकन के आधार निम्नलिखित है -

- 1- यह कि श्रीमान् का आदेश दिनांक 07/03/2018 विधि व तथ्य एवं अभिलेख की प्रकट भूल पर आधारित है ।

यह कि हम न्यायालय में एक ही सीमांकन आदेश दिनांक

66

XXXIX(a)BR(H)-11

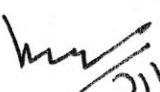
राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

II / पुनर्विलोकन / रीवा / 2018 / 1874

शम्भू प्र० शुक्ला

विरुद्ध

रवीन्द्र प्र० शुक्ला

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
21-6-18	<p>प्रकरण का अवलोकन किया। यह पुनरावलोकन इस न्यायालय द्वारा प्रकरण क्रमांक निग० 5242-दो/16 में पारित आदेश दिनांक 07-03-2018 के विरुद्ध म०प्र० भू-राजस्व संहिता, 1959 (जिसे आगे संहिता कहा जायेगा) की धारा 51 के तहत प्रस्तुत किया गया है।</p> <p>2- आवेदक के विद्वान अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया एवं प्रकरण का तथा आलोच्य आदेश का अध्ययन किया गया। निम्नलिखित तीन आधार विद्यमान होने पर ही पुनरावलोकन आवेदन स्वीकार किया जा सकता है :-</p> <p>1- नई एवं महत्वपूर्ण बात/साक्ष्य का पता चलना जो उस समय जब आदेश पारित किया गया था, सम्यक तत्परता के पश्चात भी नहीं मिल पाई थी।</p> <p>2- अभिलेख से प्रकट कोई भूल/गलती।</p> <p>3- कोई अन्य पर्याप्त कारण।</p> <p>आवेदक ने पुनरावलोकन का जो आवेदन पेश किया है उसके परीक्षण से उक्तांकित आधारों में से कोई आधार विद्यमान होना नहीं पाया जाता इसलिए इस पुनरावलोकन आवेदन में कोई बल नहीं होने से यह पुनरावलोकन प्रकरण निरस्त किया जाता है। आवेदक सूचित हों। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p>	<p> सदस्य 21/6/18</p>